

**Compounding Power**

**In Trading**

**|**

**$100 - $10M की यात्रा**

**राज कुमार**

# भूमिका

इस पुस्तक में लेखक ने अपने **6 वर्षों के ट्रेडिंग अनुभव** के आधार पर सरल भाषा में समझाया है कि **Compounding Power** का सही उपयोग करके कैसे कोई भी साधारण ट्रेडर असाधारण परिणाम पा सकता है।

छोटे-छोटे **Profit** को जोड़ते हुए धीरे-धीरे एक बड़ा **Capital Growth** बनाना ही इस पुस्तक का मुख्य आधार है।  
यह पुस्तक बताएगी कि किस तरह अनुशासन, धैर्य और सही रणनीति से आप अपने छोटे से निवेश को लगातार बढ़ाकर बड़े सपनों को पूरा करने के लिए आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर सकते हैं।

यह सिर्फ़ एक ट्रेडिंग गाइड नहीं, बल्कि **एक यात्रा है – $100 से $10M तक की।**

**पुस्तक की विशेषताएँ :**

* **Compounding power का रहस्य –** कैसे छोटे-छोटे Profit को जोड़कर बड़े Profit में बदला जाए|
* **Step-by-Step Strategy -** $100 से शुरुआत करके $10M तक की संभावित यात्रा |
* **6 वर्षो का वास्तविक अनुभव –** लेखक की सीखी हुई tested techniques |
* **Risk Management –** बिना बड़े नुकसान के आगे बढने के तरीके |
* **Mindset & Discipline –** लगातार सफलता पाने के लिए जरुरी मानसिकता |
* **प्रैक्टिकल Example –** हर स्टेप पर आसान गणना और समझने योग्य उदाहरण |

विषय सूची

[भूमिका 3](#_Toc208044459)

[लेखक परिचय 11](#_Toc208044460)

[अध्याय 1 : ट्रेडिंग के प्रमुख प्रकार 13](#_Toc208044461)

[1. Spot Trading 13](#_Toc208044462)

[2. Options Trading 14](#_Toc208044463)

[3. Futures Trading 15](#_Toc208044464)

[अन्य प्रकार 15](#_Toc208044465)

[4. Intraday Trading (इंट्रा-डे ट्रेडिंग) 15](#_Toc208044466)

[5. Swing Trading (स्विंग ट्रेडिंग) 15](#_Toc208044467)

[6. Long-Term Investing (दीर्घकालीन निवेश) 16](#_Toc208044468)

[निष्कर्ष 16](#_Toc208044469)

[अध्याय 2 : Basic Candle (कैंडल का परिचय) 17](#_Toc208044470)

[1. कैंडलस्टिक क्या है? 17](#_Toc208044471)

[2. कैंडल का रंग 18](#_Toc208044472)

[3. कैंडल की संरचना 18](#_Toc208044473)

[4. Timeframe का महत्व 19](#_Toc208044474)

[5. कैंडल से मिलने वाले संकेत 19](#_Toc208044475)

[6. शुरुआती ट्रेडर के लिए संदेश 20](#_Toc208044476)

[निष्कर्ष 20](#_Toc208044477)

[अध्याय 3 : Basic Indicator (इंडिकेटर का परिचय) 20](#_Toc208044478)

[1. Moving Average (एम.ए.) 21](#_Toc208044479)

[2. RSI (Relative Strength Index) 22](#_Toc208044480)

[3. MACD (Moving Average Convergence Divergence) 22](#_Toc208044481)

[4. Volume Indicator 23](#_Toc208044482)

[5. Indicator का सही उपयोग 23](#_Toc208044483)

[निष्कर्ष 24](#_Toc208044484)

[अध्याय 4 : Compounding का परिचय 24](#_Toc208044485)

[एक छोटी सी कहानी 24](#_Toc208044486)

[Compounding क्या है? 25](#_Toc208044487)

[एक उदाहरण (Simple Calculation) 26](#_Toc208044488)

[Compounding का जादू क्यों काम करता है? 26](#_Toc208044489)

[वास्तविक जीवन से तुलना 27](#_Toc208044490)

[Spot Trading में Compounding 27](#_Toc208044491)

[निष्कर्ष 27](#_Toc208044492)

[अध्याय 5 : $100 से $10M का Vision 28](#_Toc208044493)

[Compounding का गणित 28](#_Toc208044494)

[Vision को Milestones में समझें 29](#_Toc208044495)

[क्यों मुश्किल लगता है? 30](#_Toc208044496)

[Spot Trading + Compounding = Vision Possible 31](#_Toc208044497)

[निष्कर्ष 31](#_Toc208044498)

[अध्याय 6: Profit को Reinvest करने का तरीका 32](#_Toc208044499)

[1. Profit निकालने की गलती 32](#_Toc208044500)

[2. Reinvestment का असली लाभ 33](#_Toc208044501)

[3. Profit Reinvest करने के नियम 33](#_Toc208044502)

[4. Spot Trading में Reinvestment का फायदा 34](#_Toc208044503)

[5. मनोविज्ञान (Psychology) का नियम 34](#_Toc208044504)

[निष्कर्ष 35](#_Toc208044505)

[अध्याय 7: Risk Management(जोखिम प्रबंधन) 35](#_Toc208044506)

[1. Risk Management क्यों ज़रूरी है? 36](#_Toc208044507)

[2. Risk Management के 3 स्तंभ 36](#_Toc208044508)

[(A) Capital Allocation (पूंजी का बँटवारा) 36](#_Toc208044509)

[(B) Stop loss और Exit Plan 37](#_Toc208044510)

[(C) Diversification (विविधता) 37](#_Toc208044511)

[3. Trader Psychology और Risk 37](#_Toc208044512)

[4. Practical Example 38](#_Toc208044513)

[5. Risk Management का Rule of Survival 39](#_Toc208044514)

[निष्कर्ष 39](#_Toc208044515)

[अध्याय 8 : ट्रेडर का मनोविज्ञान 39](#_Toc208044516)

[1. मनोविज्ञान का महत्व 40](#_Toc208044517)

[2. मुख्य भावनाएँ (Emotions) 40](#_Toc208044518)

[(A) लालच (Greed) 40](#_Toc208044519)

[(B) डर (Fear) 40](#_Toc208044520)

[(C) बदला (Revenge Trading) 41](#_Toc208044521)

[(D) अति-आत्मविश्वास (Overconfidence) 41](#_Toc208044522)

[3. सफल Trader की मानसिकता 41](#_Toc208044523)

[(1) Discipline (अनुशासन) 41](#_Toc208044524)

[(2) Patience (धैर्य) 41](#_Toc208044525)

[(3) Acceptance (स्वीकार करना) 42](#_Toc208044526)

[4. एक कहानी – मन का दर्पण 42](#_Toc208044527)

[5. मनोविज्ञान को मजबूत कैसे करें? 42](#_Toc208044528)

[6. Golden Rule 43](#_Toc208044529)

[निष्कर्ष 43](#_Toc208044530)

[अध्याय 9 : Position Sizing Techniques (स्थिति निर्धारण तकनीकें) 44](#_Toc208044531)

[1. Position Sizing क्या है? 44](#_Toc208044532)

[2. Position Sizing के सिद्धांत 45](#_Toc208044533)

[(A) Fixed Percentage Rule 45](#_Toc208044534)

[(B) Stop Loss आधारित Calculation 46](#_Toc208044535)

[(C) Compounding Based Position Size 46](#_Toc208044536)

[3. एक कहानी – संतुलन का पाठ 47](#_Toc208044537)

[4. Golden Tips 48](#_Toc208044538)

[निष्कर्ष 48](#_Toc208044539)

[अध्याय 10 : Compounding with Different Strategies 49](#_Toc208044540)

[1. Spot Trading में Compounding 49](#_Toc208044541)

[2. Future Trading में Compounding 50](#_Toc208044542)

[3. Options Trading में Compounding 51](#_Toc208044543)

[4. Intraday Trading में Compounding 51](#_Toc208044544)

[5. Swing / Positional Trading में Compounding 52](#_Toc208044545)

[6. Practical Example – $100 से $1000 तक 52](#_Toc208044546)

[7. Strategy-wise Compounding Table 53](#_Toc208044547)

[8. Golden Rule of Compounding 54](#_Toc208044548)

[अध्याय11 : 2% Drop Table(Calculation Method) 54](#_Toc208044549)

[1. Logic of 2% Drop Method 55](#_Toc208044550)

[2. Formula 55](#_Toc208044551)

[3. Example Table (Starting Capital $100) 56](#_Toc208044552)

[4. Observation 57](#_Toc208044553)

[5. कहानी – Average का जादू 58](#_Toc208044554)

[6. Golden Rules for 2% Drop Method 58](#_Toc208044555)

[निष्कर्ष 59](#_Toc208044556)

[अध्याय 12 : मेरा Tested Strategy 59](#_Toc208044557)

[1. Strategy की नींव 59](#_Toc208044558)

[2. Basic Rule 60](#_Toc208044559)

[3. Step-by-Step Example 60](#_Toc208044560)

[Layer 1 60](#_Toc208044561)

[Layer 2 (2% गिरने पर) 61](#_Toc208044562)

[Layer 3 61](#_Toc208044563)

[4. Profit Booking Rule 61](#_Toc208044564)

[5. Tested Results 62](#_Toc208044565)

[6. एक Real Story 62](#_Toc208044566)

[7. Golden Points of Strategy 63](#_Toc208044567)

[निष्कर्ष 63](#_Toc208044568)

[अंतिम निष्कर्ष (Final Conclusion) 64](#_Toc208044569)

[10 Golden Rules for a Successful Trader 65](#_Toc208044570)

© **Copyright**

**compounding power in trading: $100 से $10M तक की यात्रा**

**लेखक : राज कुमार**

इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक /प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में (प्रिंट , इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो या किसी अन्य माध्यम से ) पुर्नप्रकाशित , वितरित या कापी नहीं किया जा सकता |

**Disclaimer**

यह पुस्तक केवल **शैक्षिक (Education Purpose)** और **जानकारी (Information Purpose)** देने के लिए लिखी गई है |

लेखक/प्रकाशक किसी भी प्रकार की financial, investment या trading advice नहीं दें रहे है |

ट्रेडिंग और निवेश में हमेशा **जोखिम** होता है | पाठको को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी प्रकार का वित्तीय निर्णय लेने से पहले स्वयं का शोध करें या योग्य वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें |

इस पुस्तक में बताए गए उदाहरण, आँकड और रणनीतियाँ लेखक के व्यक्तिगत अनुभव, पूंजी और परिस्थितियों के अनुसार भिन्न हो सकते है |

लेखक/प्रकाशक किसी भी प्रकार की **हानि, नुक्सान या दावे** के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे |

# लेखक परिचय



**लेखक : राज कुमार**

**राज कुमार** शिक्षा से एक यांत्रिक मैकेनिक है और पिछले **25 वर्षो से एक सफल आध्यात्मिक मार्गदर्शक** के रूप में हजारों लोगों का जीवन दिशा देने का कार्य कर चुके है |

सन 2019 में उन्हें गहन साधना और आत्मचिंतन के दौरान यह **आभास** हुआ कि आने वाले वर्ष 2020 में दुनिया एक **वैश्विक समस्या** का सामना करेगी | यह आभास आगे चलकर कोविद-19 महामारी के रूप में सिद्ध हुआ , जिसने पुरे विश्व को आर्थिक और सामाजिक संकट में डाल दिया |

इस संकेत को गंभीरता से लेते हुए , उन्होंने यह निश्चय किया कि आर्थक संकटों से बचने के लिए वैकल्पिक साधन विकसित करने होंगे | इसी उद्देश से उन्होंने **ट्रेडिंग के क्षेत्र** में प्रवेश किया और अध्ययन शुरू किया |

कई पुस्तकें पढ़ने और अनुभवी लोगों से सलाह लेले के बाबजूद उन्हें कोई ऐसा सरल और व्यावहारिक मार्गदर्शन नहीं मिला , जिससे कम पूंजी से बड़े लाभ तक पहुँचा जा सके | इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि केवल सिद्धांत और चर्चाएँ पर्याप्त नहीं है – **वास्तविक सफलता प्रैक्टिकल अनुभव से ही मिलती है |**

उनहोंने ट्रेडिंग के 2% के नियम को अपनाकर buy - sell शुरू किया | किन्तु बाज़ार के स्वाभाव के अनुसार हर buy के बाद प्राइस ऊपर नहीं जाता था | जब प्राइस नीचे जाता , तो उनके सामने दो ही विकल्प बचते है - नुकसान में बेचना या धैर्य रखकर लाभ विन्दु तक इंतजार करना | उनहोंने **धैर्य और साहस का मार्ग** चुना |

इस यात्रा में उन्होंने **Average Out strategy** का प्रयोग किया, लेकिन पूंजी समान रखने के कारण उसमें सीमाएँ रही | आगे अध्ययन से उन्हें compounding power की अद्भुत शक्ति का ज्ञान हुआ | प्रैक्टिकल प्रयोगों से उन्होंने एक सफल compounding trading formula और table तैयार किया |

आज वे अपने वर्षो के अनुभव और इस अनोखे सूत्र को इस पुस्तक के माध्यम से साझा कर रहे है, ताकि अन्य लोग भी छोटे पूंजी से शुरुआत कर, धैर्य और अनुशासन के साथ अपने बड़े आर्थिक सपनों को साकार कर सकें |

# अध्याय 1 : ट्रेडिंग के प्रमुख प्रकार

ट्रेडिंग की दुनिया बहुत विशाल है। यहाँ अलग–अलग प्रकार के ट्रेडिंग मौजूद हैं, जैसे कि **Spot Trading, Options Trading, Futures Trading, Swing Trading, Intraday Trading, Scalping** आदि।  
हर एक प्रकार की अपनी विशेषताएँ और जटिलताएँ हैं। लेकिन इस पुस्तक में हम मुख्य रूप से **Spot Trading** पर ध्यान देंगे क्योंकि **Compounding Power** का सबसे सरल और सुरक्षित उपयोग इसी प्रकार की ट्रेडिंग में संभव है।

## Spot Trading

Spot ट्रेडिंग का अर्थ है – आप जो खरीदते है वही आपके पास वास्तविक रूप से मौजूद रहता है | इसके लिए आपको पुरे पैसे चुकाने पड़ते है|

उदाहरण के लिए : यदि आपने 100 रूपये में किसी शेयर को ख़रीदा है, तो वह आपके खाते ( Demat / Wallet ) में आ जाता है | आप उसे लम्बे समय तक रख सकते है और जब चाहे बेच सकते है |

इसमें Expiryका दवाब नहीं होता ( जैसे कि फ्यूचर / आप्शन में होता है) |

* आप अपने पूँजी का वास्तविक नियंत्रण रखते हैं।
* यह **लंबी अवधि की सोच और Compounding Strategy** के लिए उपयुक्त है।

यही कारण है कि Spot Trading को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है।

## 2. Options Trading

Options Trading अपेक्षाकृत जटिल है। इसमें Premium, Strike Price, Expiry और Time Decay जैसी बातें शामिल होती हैं।

* इसमें कम पूँजी से बड़ा मुनाफा संभव है,
* लेकिन उतना ही बड़ा जोखिम भी मौजूद है।
* Compounding Strategy यहाँ लंबे समय तक स्थिरता के साथ लागू करना कठिन है।

## 3. Futures Trading

Futures Trading में किसी संपत्ति (Asset) को एक निश्चित कीमत पर भविष्य की तारीख में खरीदने/बेचने का अनुबंध होता है।

* इसमें Leverage मिलता है (कम पैसों से बड़ा सौदा),
* परंतु यह **उच्च जोखिम** और **Margin Requirements** के कारण हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं।

### अन्य प्रकार

## 4. Intraday Trading (इंट्रा-डे ट्रेडिंग)

इंट्रा-डे ट्रेडिंग का मतलब है एक ही दिन के भीतर खरीदना और बेचना।

* इसमें तेज़ फैसले और तकनीकी विश्लेषण (Technical Analysis) की ज़रूरत होती है।
* अक्सर इसमें लालच और डर जल्दी हावी हो जाते हैं।

## 5. Swing Trading (स्विंग ट्रेडिंग)

स्विंग ट्रेडिंग में आप कुछ दिनों या हफ्तों तक ट्रेड पकड़ कर रखते हैं।

* यह Spot Trading और Intraday का मिश्रण है।
* इसमें patience (धैर्य) की ज़रूरत होती है।

## 6. Long-Term Investing (दीर्घकालीन निवेश)

इसमें आप किसी संपत्ति को सालों तक होल्ड करते हैं।

* जैसे शेयर मार्केट में "Buy & Hold" Strategy।
* यह compounding का दूसरा रूप है, लेकिन ट्रेडिंग की तुलना में इसमें धैर्य और लंबा समय लगता है।

### निष्कर्ष

* ट्रेडिंग के कई प्रकार हैं, लेकिन **Spot Trading सबसे सुरक्षित और सरल है।**
* छोटे लाभों को जोड़कर बड़ी पूँजी बनाना **Spot Trading में ही आसान है।**
* यही कारण है कि इस पुस्तक का केंद्र Spot Trading और उसमें Compounding Strategy होगी।

ये सब भी लोकप्रिय तरीके हैं, लेकिन Compounding Power को सुरक्षित और लंबे समय तक लागू करने के लिए Spot Trading सबसे उत्तम है।

इसलिए, इस पुस्तक का पूरा फोकस Spot Trading पर है।  
क्योंकि यही वह मार्ग है, जिससे **छोटे–छोटे Profits को जोड़कर एक बड़े Financial लक्ष्य (जैसे $100 से $10M की यात्रा) तक पहुँचना संभव है।**

# अध्याय 2 : Basic Candle (कैंडल का परिचय)

जब भी आप ट्रेडिंग चार्ट देखते हैं, तो उसमें हरे और लाल रंग की **मोमबत्ती (Candlestick)** जैसी आकृतियाँ दिखाई देती हैं। इन्हें **Candlestick** कहा जाता है। यह ट्रेडिंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि इन्हीं से हमें बाजार की चाल (Price Movement) समझ में आती है।

## 1. कैंडलस्टिक क्या है?

कैंडलस्टिक किसी भी समयावधि (Timeframe) में **खरीद और बिक्री की गतिविधि** को दर्शाती है।

हर कैंडल हमें चार महत्वपूर्ण जानकारी देती है:

1. **Open Price** – जिस भाव पर कैंडल शुरू हुई।
2. **Close Price** – जिस भाव पर कैंडल समाप्त हुई।
3. **High Price** – उस अवधि में पहुँची हुई सबसे ऊँची कीमत।
4. **Low Price** – उस अवधि में पहुँची हुई सबसे नीची कीमत।

## 2. कैंडल का रंग

* **हरी (Green) कैंडल** : जब Close Price > Open Price (यानी कीमत बढ़ी)।
* **लाल (Red) कैंडल** : जब Close Price < Open Price (यानी कीमत गिरी)।

## 3. कैंडल की संरचना

एक कैंडल तीन हिस्सों से बनी होती है:

1. **Body (बॉडी)**
   * Open और Close Price के बीच का हिस्सा।
   * लंबी बॉडी = ज्यादा Price Movement (ज़्यादा ताकत)।
   * छोटी बॉडी = कम Movement (कमज़ोर Buyers/Sellers)।
2. **Upper Shadow (ऊपरी बाती)**
   * High Price तक पहुँचा हुआ स्तर।
3. **Lower Shadow (निचली बाती)**
   * Low Price तक पहुँचा हुआ स्तर।

## 4. Timeframe का महत्व

* **1 Minute Candle** = 1 मिनट की Price Movement।
* **1 Hour Candle** = 1 घंटे की Price Movement।
* **1 Day Candle** = 1 दिन की Price Movement।

Candle को सही समझने के लिए Timeframe का चुनाव ज़रूरी है। Spot Trading और Compounding Strategy में अक्सर **1 Hour** या **1 Day Candle** ज्यादा उपयुक्त होती है।

## 5. कैंडल से मिलने वाले संकेत

* **लंबी हरी कैंडल** = खरीदारों की ताकत (Strong Buying Pressure)।
* **लंबी लाल कैंडल** = विक्रेताओं की ताकत (Strong Selling Pressure)।
* **छोटी बॉडी + लंबी बाती** = बाजार में असमंजस (Indecision)।

## 6. शुरुआती ट्रेडर के लिए संदेश

कैंडल पढ़ना सीखना ऐसा है जैसे किसी भाषा को समझना।

* अगर आप कैंडल को समझ गए, तो आप बाजार की **कहानी (Story)** पढ़ सकते हैं।
* यह हर ट्रेडर के लिए पहला और जरूरी कदम है।

### निष्कर्ष

कैंडल चार्ट ट्रेडिंग की **बुनियादी भाषा** है।  
👉 जब तक आप कैंडल पढ़ना नहीं सीखेंगे, तब तक Indicators और Strategies भी अधूरे रहेंगे।

# अध्याय 3 : Basic Indicator (इंडिकेटर का परिचय)

ट्रेडिंग चार्ट पर केवल **कैंडल्स** देखकर निर्णय लेना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है।  
इसीलिए मदद के लिए कई तरह के **टेक्निकल इंडिकेटर (Technical Indicators)** बनाए गए हैं।

👉 इंडिकेटर ऐसे टूल होते हैं जो प्राइस (कीमत) और वॉल्यूम (लेन-देन की मात्रा) के आधार पर हमें संकेत (Signal) देते हैं कि

* कब खरीदें (Buy)
* कब बेचें (Sell)
* और कब इंतजार करें (Wait)

## 1. Moving Average (एम.ए.)

**Moving Average (MA)** एक सरल इंडिकेटर है जो प्राइस का औसत दिखाता है।

* **Simple Moving Average (SMA)** – पिछले कुछ समय का सीधा औसत।
* **Exponential Moving Average (EMA)** – इसमें हाल के भाव को ज्यादा महत्व मिलता है।

उपयोग:

* जब कीमत Moving Average से ऊपर होती है = Uptrend (बाजार चढ़ रहा है)।
* जब कीमत Moving Average से नीचे होती है = Downtrend (बाजार गिर रहा है)।

Compounding में Moving Average इसलिए जरूरी है क्योंकि यह हमें Trend की दिशा बताता है। अगर Trend ऊपर है, तो छोटे-छोटे Profits लगातार जोड़ना आसान होता है।

## 2. RSI (Relative Strength Index)

RSI हमें बताता है कि बाजार **Overbought (ज्यादा खरीदा गया)** है या **Oversold (ज्यादा बेचा गया)**।

* RSI 70 से ऊपर = Overbought (बाजार महँगा हो गया है, गिर सकता है)।
* RSI 30 से नीचे = Oversold (बाजार सस्ता हो गया है, चढ़ सकता है)।

उपयोग:  
RSI हमें Entry और Exit का सही समय समझने में मदद करता है। Spot Trading में यह तय करता है कि कब धैर्य रखें और कब Buy करें।

## 3. MACD (Moving Average Convergence Divergence)

MACD दो Moving Averages की दूरी (Difference) को दिखाता है।

* जब MACD ऊपर Cross करता है = Buy Signal।
* जब MACD नीचे Cross करता है = Sell Signal।

उपयोग:  
MACD हमें Trend Change (Trend उलटने) का संकेत देता है। यह Compounding Strategy में Risk कम करने का एक टूल है।

## 4. Volume Indicator

Volume यह बताता है कि कितने लोग खरीद/बिक्री कर रहे हैं।

* बढ़ता हुआ Volume = Market में विश्वास और ताकत।
* घटता हुआ Volume = Market में कमजोरी।

उपयोग:  
Profit Compounding में Entry हमेशा Volume देखकर करनी चाहिए। Volume अगर मजबूत हो तो छोटे Profits भी आसानी से निकलते हैं।

## 5. Indicator का सही उपयोग

* Indicators **सिर्फ मार्गदर्शक (Guide)** हैं, गारंटी नहीं।
* किसी एक Indicator पर भरोसा करने की बजाय **दो–तीन Indicators को साथ में उपयोग** करना बेहतर है।
* Indicators को हमेशा Candle Reading के साथ मिलाकर देखना चाहिए।

### निष्कर्ष

* Indicators हमें बाजार को “संकेतों” के जरिए समझने में मदद करते हैं।
* Spot Trading और Compounding Strategy में Indicators का काम है **Entry और Exit को आसान बनाना**, ताकि हम बार-बार छोटे Profits को सुरक्षित कर सकें।

# अध्याय 4 : Compounding का परिचय

कल्पना कीजिए – आपके पास सिर्फ़ **$100** हैं।  
आप सोच रहे हैं कि इतनी छोटी रकम से भला क्या बड़ा सपना पूरा होगा?

लेकिन यहीं से शुरू होती है **Compounding की जादुई यात्रा।**

## एक छोटी सी कहानी

राज नाम का एक युवा ट्रेडिंग सीख रहा था। उसने बाजार में कई बार कोशिश की, कभी जीता, कभी हारा। एक दिन उसने सोचा –  
"अगर मैं हर बार छोटे-छोटे मुनाफ़े कमाऊँ और उन्हें जोड़ता रहूँ, तो क्या मैं बड़ा लक्ष्य हासिल कर सकता हूँ?"

उसने एक कागज़ पर लिखा –

"अगर मैं सिर्फ़ 1% रोज़ का मुनाफ़ा कमा लूँ, और उसे बार-बार निवेश करता रहूँ, तो धीरे-धीरे $100 लाखों में बदल सकते हैं।"

पहले दिन उसने $100 से ट्रेड किया।

* 1% कमाया → $101 हो गए।
* अगले दिन उसी $101 पर 1% कमाया → $102.01 हो गए।
* तीसरे दिन → $103.03।

ऐसे ही यह बढ़ता गया।

## Compounding क्या है?

Compounding का सरल अर्थ है —  
 **लाभ को वापस निवेश करना और उस पर भी लाभ कमाना।**

यानी, सिर्फ़ मूल पूंजी ही नहीं बल्कि आपके द्वारा कमाया गया Profit भी आपके लिए काम करना शुरू कर देता है।

## एक उदाहरण (Simple Calculation)

मान लीजिए आप हर बार 2% का Profit बनाते हैं और उसे वापस लगाते हैं।

* पहले $100 से → $102
* फिर $102 से → $104.04
* फिर $104.04 से → $106.12

यह क्रम चलता रहता है… और समय के साथ आपका छोटा सा $100, हजारों और फिर लाखों डॉलर में बदल सकता है।

## Compounding का जादू क्यों काम करता है?

1. **Time (समय)** – जितना लंबा समय देंगे, उतनी तेजी से पैसा बढ़ेगा।
2. **Reinvestment (दोबारा निवेश)** – Profit को निकालने के बजाय वापस लगाना।
3. **Consistency (लगातार करना)** – बार-बार छोटे-छोटे Profits लेना।

## वास्तविक जीवन से तुलना

* यह वैसा ही है जैसे **बचपन में बोया हुआ छोटा पौधा** समय के साथ एक विशाल वृक्ष बन जाता है।
* या जैसे **हर रोज़ थोड़ी-थोड़ी बचत**, सालों बाद बहुत बड़ी पूंजी बन जाती है।

## Spot Trading में Compounding

स्पॉट ट्रेडिंग Compounding के लिए सबसे उपयुक्त है क्योंकि –

* यहाँ आप असली मालिक होते हैं।
* कोई समयसीमा (Expiry) नहीं होती।
* आप धैर्य से इंतज़ार कर सकते हैं।

यही कारण है कि इस किताब में हम Compounding Strategy को **Spot Trading** के साथ जोड़कर समझेंगे।

### निष्कर्ष

Compounding हमें सिखाती है कि –  
 बड़े सपनों के लिए बड़े कदम नहीं, बल्कि छोटे-छोटे लगातार कदम ज़रूरी हैं।

छोटे Profits, धैर्य और अनुशासन से आप $100 को $10M में बदलने की शक्ति रखते हैं।

# अध्याय 5 : $100 से $10M का Vision

हर बड़ा सपना एक छोटे कदम से शुरू होता है।  
 $10M (लगभग 80 करोड़ रुपये) का सपना भी सिर्फ़ **$100** (करीब ₹ 8,000) से शुरू हो सकता है।  
लेकिन इसके लिए ज़रूरी है –

* Compounding का भरोसा
* धैर्य और अनुशासन
* और Risk Management

## Compounding का गणित

अगर आप नियमित रूप से केवल **2% का लाभ** जोड़ते जाएँ, तो धीरे-धीरे आपकी पूंजी exponential (गुणात्मक) रूप से बढ़ेगी।

* Day 1 : $100
* Day 2 : $102
* Day 10 : $121
* Day 50 : $269
* Day 100 : $724
* Day 200 : $5,241
* Day 300 : $37,703
* Day 400 : $271,246
* Day 500 : $1,951,445
* Day 600 : $14,035,421

लगभग 600 सफल चक्र (cycles) के बाद $100, $10M से भी अधिक बन सकता है।

## Vision को Milestones में समझें

1. **पहला पड़ाव – Survival Phase**
   * $100 → $1,000
   * यहाँ सीखना, अनुशासन और गलतियों से बचना ज़रूरी है।
   * यह सबसे कठिन चरण है क्योंकि यहाँ लालच और अधीरता सबसे ज़्यादा होती है।
2. **दूसरा पड़ाव – Growth Phase**
   * $1,000 → $100,000
   * यहाँ Confidence आता है, लेकिन Risk भी बढ़ जाता है।
   * सही Strategy और Consistency इस चरण में बहुत काम आती है।
3. **तीसरा पड़ाव – Expansion Phase**
   * $100,000 → $1,000,000
   * अब पूंजी इतनी बड़ी हो जाती है कि एक छोटा Profit भी बहुत मायने रखता है।
   * यहाँ Risk Management और Position Sizing सबसे ज़्यादा ज़रूरी है।
4. **चौथा पड़ाव – Freedom Phase**
   * $1,000,000 → $10,000,000
   * यह वह स्थिति है जहाँ आप केवल पैसे नहीं कमा रहे, बल्कि Financial Freedom प्राप्त कर रहे हैं।
   * इस स्तर पर Discipline ही असली शक्ति है।

## क्यों मुश्किल लगता है?

* लोग जल्दी अमीर बनने की चाहत में बीच में हार मान लेते हैं।
* लालच और डर उनके निर्णय बिगाड़ देते हैं।
* Compounding धीमी शुरुआत करती है, लेकिन बाद में रॉकेट की तरह तेज़ होती है।

इसीलिए कहा जाता है –  
**“Compounding is the 8th wonder of the world – समझने वाला कमा लेता है, न समझने वाला खो देता है।”**

## Spot Trading + Compounding = Vision Possible

Spot Trading Compounding को आसान बनाती है क्योंकि –

* आप चाहें तो सालों तक होल्ड कर सकते हैं।
* नुकसान में भी बेचने की मजबूरी नहीं होती।
* धीरे-धीरे Average Down करके Profit Point तक पहुँचना संभव है।

### निष्कर्ष

$100 से $10M की यात्रा कोई जादू नहीं है।  
यह धैर्य, अनुशासन और Compounding Power का परिणाम है।

यदि आप हर कदम पर Focused रहें, छोटे Profits को Reinvest करें और Risk को Manage करें, तो यह Vision सिर्फ़ सपना नहीं, बल्कि **हकीकत** बन सकता है।

# अध्याय 6: Profit को Reinvest करने का तरीका

Compounding का असली जादू तभी काम करता है जब आप **Profit को बाहर निकालने के बजाय वापस लगाते हैं (Reinvest करते हैं)।**  
यही Reinvestment धीरे-धीरे आपके छोटे Capital को बहुत बड़ा बना देता है।

## 1. Profit निकालने की गलती

अधिकतर नए ट्रेडर क्या करते हैं?

* जैसे ही थोड़ा Profit हुआ → तुरंत निकाल लिया।
* और बार-बार Profit निकालने से पूंजी कभी बड़ी ही नहीं हो पाती।

यह वैसा है जैसे आप एक पौधा लगाएँ, और जैसे ही उसमें नई पत्ती निकले → उसे काट दें।  
फिर वो पेड़ कैसे बनेगा?

## 2. Reinvestment का असली लाभ

मान लीजिए आपके पास $100 हैं और आपने 5% Profit कमाया → $105।

* अगर आप Profit ($5) निकाल लेंगे, तो अगली बार फिर केवल $100 से ट्रेड करना पड़ेगा।
* लेकिन अगर आप पूरा $105 Reinvest कर देंगे, तो अगली बार 5% का Profit = $110.25 होगा।

यानि हर बार आपका आधार (Base) बड़ा होता जाएगा।  
यही है Compounding का असली राज़।

## 3. Profit Reinvest करने के नियम

1. **पूरा Profit Reinvest करना (Full Reinvestment)**
   * शुरुआती चरण (Survival Phase) में यही करना सबसे अच्छा है।
   * क्योंकि यहाँ आपकी पूंजी छोटी है और उसे तेजी से बढ़ाना है।
2. **आधा Profit Reinvest करना (Partial Reinvestment)**
   * जब Capital $10,000 से ऊपर हो जाए, तब कुछ Profit निकालना और कुछ Reinvest करना बेहतर है।
   * इससे Risk भी Manage होता है और Growth भी बनी रहती है।
3. **Systematic Withdrawal**
   * बहुत बड़े Capital ($100,000+) पर आप हर महीने एक हिस्सा निकाल सकते हैं और बाकी Reinvest कर सकते हैं।
   * इससे आपकी लाइफ़स्टाइल भी सुरक्षित रहती है और Compounding भी चलती रहती है।

## 4. Spot Trading में Reinvestment का फायदा

Spot Trading में Profit को Reinvest करना आसान है क्योंकि –

* यहाँ Leverage नहीं होता (Risk कम)।
* आप लंबे समय तक होल्ड कर सकते हैं।
* हर बार Profit निकलने का दबाव नहीं रहता।

## 5. मनोविज्ञान (Psychology) का नियम

* Reinvestment करने के लिए **धैर्य** चाहिए।
* लालच कहेगा “Profit निकाल लो” और डर कहेगा “Capital खो जाएगा”।
* लेकिन अनुशासन से अगर आप Reinvest करते रहेंगे, तो एक दिन वही छोटा Profit आपको Financial Freedom देगा।

### निष्कर्ष

Profit निकालने से पैसा “रुक” जाता है, लेकिन Profit Reinvest करने से पैसा “दौड़ना” शुरू कर देता है।

Compounding की असली ताकत इसी Reinvestment में छुपी है।  
यही $100 को $10M तक ले जाने का रास्ता है।

# अध्याय 7: Risk Management(जोखिम प्रबंधन)

Trading की दुनिया में सबसे बड़ा मंत्र है –  
**"Profit तो अपने आप हो जाएगा, असली खेल है Loss को छोटा रखना।"**

Risk Management वो कवच है जो आपकी पूंजी (Capital) को बचाता है। अगर Capital बची रही, तो Profit के मौके बार-बार मिलते रहेंगे।

## 1. Risk Management क्यों ज़रूरी है?

कल्पना कीजिए –

* आपके पास $100 हैं।
* आपने बिना Risk सोचे $50 का Loss कर दिया।
* अब आपकी Capital $50 रह गई।

अब आपको Break-even (यानी सिर्फ़ Zero पर वापस आने) के लिए 100% Profit चाहिए।  
लेकिन अगर शुरू में ही आपने Risk Manage किया होता, तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता।

## 2. Risk Management के 3 स्तंभ

### (A) Capital Allocation (पूंजी का बँटवारा)

* कभी भी पूरी Capital एक ही Trade में मत लगाएँ।
* एक Trade में सिर्फ़ **2% – 5% Capital** Risk में डालना सही माना जाता है।
* उदाहरण: $1000 Capital है → एक Trade में ज़्यादा से ज़्यादा $20–50 Risk करें।

### (B) Stop loss और Exit Plan

* Stop loss = आपकी सुरक्षा जाल।
* बिना Stop loss ट्रेड करना वैसा ही है जैसे समुद्र में बिना लाइफ जैकेट के तैरना।
* Entry से पहले ही तय करें – "कहाँ पर Exit करना है अगर मार्केट उल्टा चला गया।"

### (C) Diversification (विविधता)

* सारे पैसे एक ही Asset या Coin में मत लगाएँ।
* अलग-अलग Coins या Sectors में Capital बाँटें।
* इससे एक Side का Loss दूसरी Side के Profit से Balance हो सकता है।

## 3. Trader Psychology और Risk

Risk Management सिर्फ़ Numbers का खेल नहीं है, ये आपके Mindset से भी जुड़ा है।

* लालच (Greed) कहेगा – “All-in कर दो, बड़ा Profit मिलेगा।”
* डर (Fear) कहेगा – “Market Crash हो जाएगा, अभी निकल जाओ।”
* Ego कहेगा – “Loss Recover करना ही है, Double Quantity ले लो।”

लेकिन सच ये है कि **अनुशासन (Discipline)** ही Risk को Control करता है।

## 4. Practical Example

मान लीजिए आपकी Capital $1000 है।

* आप एक Trade में 5% Capital लगाते हैं = $50।
* Target Profit = 10% ($5)।
* Stop loss = 5% ($2.5)।

Worst Case: $2.5 का Loss।  
 Best Case: $5 का Profit।

अब अगर आप 100 बार ऐसा अनुशासन से करते हैं –

* कुछ Trades में Loss होगा।
* कुछ Trades में Profit होगा।
* लेकिन Risk Control होने से Net Result हमेशा Positive रहेगा।

## 5. Risk Management का Rule of Survival

Trading में असली Goal यह नहीं है कि **हर बार Profit हो।**  
असली Goal है – **“Game में बने रहना।”**

* Market हर दिन नए मौके देगा।
* अगर Capital बची है तो आप हमेशा वापसी कर सकते हैं।
* Risk Management वही कुंजी है जो आपको Survival से Success तक ले जाती है।

### निष्कर्ष

Risk Management का मतलब सिर्फ़ Loss से बचना नहीं, बल्कि Trading को लंबे समय तक जारी रखना है।  
 याद रखें – **Profit आपका Teacher नहीं, Loss आपका Teacher है। और Risk Management आपकी ढाल है।**

# अध्याय 8 : ट्रेडर का मनोविज्ञान

Trading सिर्फ़ चार्ट और नंबरों का खेल नहीं है। असली जंग दिमाग़ और दिल के बीच होती है। कई बार सही Strategy होने के बावजूद Trader हार जाता है, क्योंकि उसने अपने **Emotions** को Control नहीं किया।

## 1. मनोविज्ञान का महत्व

कहते हैं —  
**"Market को हराने के लिए पहले अपने Mind को हराना पड़ता है।"**

* Analysis सबको आता है।
* Strategy कोई भी बना सकता है।
* लेकिन जो Trader अपने Fear और Greed को Control कर लेता है, वही Long Term में Successful होता है।

## 2. मुख्य भावनाएँ (Emotions)

### (A) लालच (Greed)

* “थोड़ा और रुको, Profit और बढ़ेगा।”
* यही लालच अक्सर छोटे Profit को Loss में बदल देता है।

### (B) डर (Fear)

* “Market गिर रही है, अभी निकल जाओ।”
* Fear से आप कई बार अच्छा Trade बीच में छोड़ देते हैं।

### (C) बदला (Revenge Trading)

* “Market ने मुझसे Loss कराया, अब मैं दुगुना लगाकर वापस निकालूँगा।”
* यह सोच Capital को खत्म करने का सबसे तेज़ तरीका है।

### (D) अति-आत्मविश्वास (Overconfidence)

* “मैं Market को समझ गया हूँ, अब Loss नहीं होगा।”
* Market हर बार नया Lesson देती है, Overconfidence बहुत खतरनाक है।

## 3. सफल Trader की मानसिकता

### (1) Discipline (अनुशासन)

* पहले से तय Plan पर ही चलना।
* Entry और Exit को Rule से Follow करना।

### (2) Patience (धैर्य)

* सही मौके का इंतज़ार करना।
* जल्दीबाज़ी ना करना।

### (3) Acceptance (स्वीकार करना)

* यह मान लेना कि Loss भी Trading का हिस्सा है।
* हर Loss को एक सीख की तरह लेना।

## 4. एक कहानी – मन का दर्पण

राजेश नाम का एक Trader था।

* उसने तीन Trade लगातार Profit में किए।
* चौथे Trade में Confidence बढ़ गया और उसने Double Quantity लगा दी।
* Market अचानक उल्टा चली और Capital का बड़ा हिस्सा चला गया।

असली समस्या Strategy की नहीं थी, समस्या **Mindset की थी।**

## 5. मनोविज्ञान को मजबूत कैसे करें?

* **Trading Journal लिखें** → हर Trade का कारण और परिणाम लिखें।
* **Meditation / Deep Breathing करें** → Stress कम होगा।
* **Small Losses Accept करें** → बड़े Loss से बचेंगे।
* **Fixed Routine Follow करें** → अनियमितता मन को कमजोर करती है।

## 6. Golden Rule

Trading Psychology को समझना वैसा ही है जैसे घोड़े को काबू में करना। Strategy आपका घोड़ा है, पर अगर घोड़ा ही बेकाबू हो गया तो सवार (आप) गिर जाएँगे।

इसलिए —  
**“सही Strategy से पहले सही Mindset ज़रूरी है।”**

### निष्कर्ष

Trading Psychology ही तय करता है कि Strategy आपको अमीर बनाएगी या गरीब।

* **Greed को Control करें।**
* **Fear को Balance करें।**
* **Discipline को Follow करें।**

\* याद रखें — Market में सबसे बड़ा दुश्मन कोई और नहीं, **आपका Mind ही है।**

# अध्याय 9 : Position Sizing Techniques (स्थिति निर्धारण तकनीकें)

Trading में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि **कहाँ Buy करें और कहाँ Sell करें**, बल्कि यह होता है कि —  
\* **कितनी Quantity Buy करनी है?**

कई Trader सही Entry ले लेते हैं, सही Exit भी कर लेते हैं, लेकिन गलत **Position Size** के कारण या तो बहुत छोटा Profit मिलता है या बड़ा Loss हो जाता है।

इसलिए Position Sizing एक तरह से **Risk Management का दिल** है।

## 1. Position Sizing क्या है?

**Position Sizing = आपकी पूंजी (Capital) के हिसाब से सही Quantity तय करना।**

उदाहरण:  
मान लीजिए आपके पास $1000 Capital है।

* अगर आप एक ही Trade में $1000 लगा देंगे → एक गलती में सब ख़त्म।
* अगर हर बार $10 ही लगाएंगे → Profit बहुत धीमा होगा।

संतुलन यही है कि आप उतनी Quantity Buy करें जिससे Risk भी Control रहे और Profit भी Meaningful हो।

## 2. Position Sizing के सिद्धांत

### (A) Fixed Percentage Rule

हर Trade में Capital का एक निश्चित हिस्सा ही Risk में डालना।

* उदाहरण: कुल Capital का 2%।

अगर आपके पास $1000 है → 2% = $20

मतलब हर Trade में इतना Risk लें कि Loss होने पर $20 से ज़्यादा ना जाए।

### (B) Stop Loss आधारित Calculation

Position Size को Entry Price और Stop Loss के अंतर से निकालते हैं।

Formula:

PositionSize = RiskperTradeEntry−StoplossPosition Size = \frac{Risk per Trade}{Entry - Stoploss}

PositionSize = Entry−StoplossRiskperTrade​

\* उदाहरण:  
Capital = $1000  
Risk प्रति Trade = 2% = $20  
Entry = $100  
Stop Loss = $95  
Difference = $5

तो Position Size = 20 ÷ 5 = **4 Quantity**

### (C) Compounding Based Position Size

जैसे-जैसे Capital बढ़ता जाए, Position Size भी proportion में बढ़ाते जाएँ।

यह तरीका Long Term Growth में सबसे शक्तिशाली है।

उदाहरण:

* Capital $1000 → प्रति Trade $20 Risk
* Capital $2000 → अब प्रति Trade $40 Risk
* Capital $10,000 → अब प्रति Trade $200 Risk

इससे Growth तेज़ होती है और Risk Control में रहता है।

## 3. एक कहानी – संतुलन का पाठ

राम और मोहन दोनों ने $1000 से Trading शुरू की।

* राम ने हर बार पूरे $1000 से Buy किया। एक Loss ने पूरा Account खाली कर दिया।
* मोहन ने हर Trade में केवल 2% Capital Risk किया। धीरे-धीरे उसका Account $5000 तक बढ़ गया।

यह कहानी सिखाती है कि Position Sizing सिर्फ़ गणित नहीं, बल्कि **Survival Strategy** है।

## 4. Golden Tips

1. कभी भी एक Trade में 5% से ज़्यादा Capital Risk न करें।
2. Position Size हमेशा Calculation से तय करें, Emotion से नहीं।
3. Capital बढ़ने पर Position Size बढ़ाएँ, घटने पर घटाएँ।
4. Risk और Reward को Balance करें – “छोटा Loss, बड़ा Profit”।

## निष्कर्ष

Position Sizing वही चाबी है जिससे आप Market में लंबे समय तक टिके रह सकते हैं।

* बिना Position Sizing के Trading वैसी है जैसे बिना Speed Control के कार चलाना।
* सही Position Sizing आपको हर Loss से बचाती है और हर Profit को मजबूत बनाती है।

याद रखें — **“Market में टिके रहना ही जीतने का पहला कदम है।”**

# अध्याय 10 : Compounding with Different Strategies

(विभिन्न रणनीतियों में कंपाउंडिंग का उपयोग)

Compounding एक बीज की तरह है।

* अगर आप इसे ज़मीन में लगाकर रोज़ पानी देते हैं, तो यह धीरे-धीरे पेड़ बनता है।
* Trading में भी छोटे-छोटे Profit को Reinvest करके बड़ा Capital बनाना ही Compounding है।

लेकिन हर Strategy में Compounding का तरीका अलग होता है।

## 1. Spot Trading में Compounding

Spot Trading सबसे सरल और सुरक्षित तरीका है, जहाँ आप किसी Asset (जैसे Bitcoin या Stock) को Buy करके Hold करते हैं और Profit पर बेचते हैं।

Spot Trading में Compounding क्यों आसान है?

* कोई Expiry नहीं होती।
* Investment पूरी तरह आपके Control में है।
* आप Profit निकालकर फिर से Reinvest कर सकते हैं।

**उदाहरण:**

* $100 Capital
* हर Trade में 2% Profit → $102 → फिर $104.04 → फिर $106.12…
* लगातार छोटे Profit मिलकर लंबे समय में बड़ी राशि बनाते हैं।

## 2. Future Trading में Compounding

Future Trading में आप Leveraged Contract के साथ काम करते हैं।

* यहाँ छोटे Capital से बड़ी Position ली जा सकती है।
* Compounding तेज़ हो सकता है, लेकिन Risk भी बहुत बड़ा होता है।

Strategy:

* Future Trading में Compounding तभी करें जब आप **Risk per Trade** को बहुत Strictly Control कर सकें।
* Profit का केवल हिस्सा (जैसे 50%) Reinvest करें, पूरा नहीं।

## 3. Options Trading में Compounding

Options Trading बहुत High Risk – High Reward वाली Strategy है।

* Premium छोटा होता है लेकिन Time Decay और Expiry के कारण Capital Zero भी हो सकता है।

Compounding Approach:

* Profit का छोटा हिस्सा Reinvest करें।
* Options में Compounding करने से पहले Spot/Future का Experience ज़रूरी है।

## 4. Intraday Trading में Compounding

Intraday में Compounding Fast होता है क्योंकि Trade Daily Close हो जाते हैं।

* हर दिन Profit निकालकर अगली बार Use किया जा सकता है।

Risk:

* Overtrading और Emotions Compounding को बिगाड़ सकते हैं।

तरीका:

* Fixed % Profit Target रखें।
* Daily Profit का कुछ हिस्सा निकालें और कुछ Reinvest करें।

## 5. Swing / Positional Trading में Compounding

यह Method Beginners के लिए सबसे Safe है।

* आप 1–2 हफ़्ते या महीनों तक Trade Hold करते हैं।
* हर Profit Reinvest करके Long Term Compounding किया जा सकता है।

## 6. Practical Example – $100 से $1000 तक

मान लीजिए आप Spot Trading में Compounding करते हैं:

* Start Capital = $100
* हर Trade = 2% Profit
* 100 लगातार सफल Trade → लगभग $724 हो जाएगा।
* 150 Trade → $2000+ हो सकता है।

यही Compounding की ताक़त है।

## 7. Strategy-wise Compounding Table

| **Strategy Type** | **Safety** | **Growth Speed** | **Compounding Potential** | **Risk Level** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **Spot Trading** | High | Moderate | Strong (Safe Growth) | Low |
| **Future Trading** | Medium | High | Very Strong (Fast) | High |
| **Options** | Low | Very High | Limited (Risky) | Very High |
| **Intraday** | Medium | High | Good (if Disciplined) | High |
| **Swing Trading** | High | Moderate | Strong (Consistent) | Low-Med |

## 8. Golden Rule of Compounding

* Compounding तभी काम करता है जब आप **Loss Control करें।**
* हर Strategy में Profit Reinvest करने से पहले Risk Check करें।
* Discipline + Patience = Compounding Success.

याद रखें —  
**“Compounding जादू नहीं है, यह लगातार छोटी जीतों का जोड़ है।”**

# अध्याय11 : 2% Drop Table(Calculation Method)

Trading में Compounding को समझने के लिए हमें एक Practical System चाहिए।  
 यहाँ हम एक Simple Rule लेंगे —  
**“हर 2% Price Drop पर Buy करें और Profit होने पर Reinvest करें।”**

इस Rule से आप सीखेंगे कि कैसे छोटी-छोटी गिरावट को मौके में बदलकर बड़ी Capital बनाई जा सकती है।

## 1. Logic of 2% Drop Method

* मान लीजिए आपने पहली Buy $100 पर की।
* अगर Price 2% गिरता है → $98 पर दूसरी Buy करेंगे।
* फिर से 2% गिरता है → $96.04 पर तीसरी Buy करेंगे।
* इस तरह Average Price कम होता जाएगा।
* Price जब वापस ऊपर आएगा, आप Profit में निकल सकते हैं।

यह तरीका आपको Loss से बचाकर Compounding Growth देता है।

## 2. Formula

हर नई Buy Price = पिछली Buy Price × (1 - 0.02)  
हर नई Investment = पिछली Investment × (1 + 0.01)  
(यानी हर बार Investment 1% बढ़ाएँ)

## 3. Example Table (Starting Capital $100)

| **Layer** | **Buy Price ($)** | **Investment ($)** | **Total Investment ($)** | **Average Price ($)** | **Qty Bought** | **Total Qty** | **Breakeven ($)** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 1.0000 | 1.0000 | 100.00 |
| 2 | 98.00 | 101.00 | 201.00 | 99.50 | 1.0306 | 2.0306 | 99.50 |
| 3 | 96.04 | 102.01 | 303.01 | 98.67 | 1.0621 | 3.0927 | 98.67 |
| 4 | 94.12 | 103.03 | 406.04 | 97.82 | 1.0950 | 4.1877 | 97.82 |
| 5 | 92.24 | 104.06 | 510.10 | 96.98 | 1.1286 | 5.3163 | 96.98 |
| 6 | 90.39 | 105.10 | 615.20 | 96.16 | 1.1629 | 6.4792 | 96.16 |
| 7 | 88.58 | 106.15 | 721.35 | 95.34 | 1.1978 | 7.6770 | 95.34 |
| 8 | 86.81 | 107.21 | 828.56 | 94.53 | 1.2334 | 8.9104 | 94.53 |
| 9 | 85.07 | 108.28 | 936.84 | 93.73 | 1.2700 | 10.1804 | 93.73 |
| 10 | 83.37 | 109.36 | 1046.20 | 92.94 | 1.3116 | 11.4920 | 92.94 |

## 4. Observation

* जैसे-जैसे Price नीचे आता है → आपका Average Price तेजी से गिरता है।
* आपको Profit पाने के लिए Market को बहुत ऊपर नहीं जाना पड़ता।
* हर बार Investment थोड़ा बढ़ाकर आप Compounding को तेज़ कर रहे हैं।

## 5. कहानी – Average का जादू

मान लीजिए आपने सिर्फ़ $100 से Trading शुरू की।  
Market गिरने लगा, लेकिन आपने धैर्य से 2% Drop Rule Follow किया।  
10 Layers के बाद आपका Average $92.94 आ गया।

अब अगर Market सिर्फ़ $93 पहुँच जाए → आप **Profit में होंगे**।  
यही है Average + Compounding का जादू।

## 6. Golden Rules for 2% Drop Method

1. कभी भी पूरे Capital को एक साथ Invest न करें।
2. हमेशा Step-by-Step Layer बनाते जाएँ।
3. हर Layer में Investment थोड़ा बढ़ाएँ (Compounding Effect के लिए)।
4. धैर्य रखें — Market वापस ऊपर ज़रूर जाता है।

## निष्कर्ष

2% Drop Table एक Practical Roadmap है जो दिखाता है कि —  
\* छोटे Step से Average Price कैसे कम होता है,  
\* Compounding से Capital कैसे बढ़ता है,  
\* और धैर्य से Loss को Profit में कैसे बदला जा सकता है।

# अध्याय 12 : मेरा Tested Strategy

Trading की दुनिया में हर Trader अपनी-अपनी Strategy बनाता है।  
कुछ लोग Indicators पर भरोसा करते हैं, कुछ News पर।  
लेकिन मैंने अपने 6 साल के अनुभव और Practical Testing से जो Strategy बनाई, वही मेरी “Tested Strategy” है।

## 1. Strategy की नींव

* कोई Stop Loss नहीं (क्योंकि हर Buy के बाद Market हमेशा या तो ऊपर जाता है या समय देकर Average निकलता है)।
* हर Buy के बाद Capital को Manage करना।
* Compounding Rule का पालन करना।
* सबसे ज़रूरी: **धैर्य (Patience) और अनुशासन (Discipline)**।

## 2. Basic Rule

\* total capital का 2% से पहला buy करना

\* पिछले buy प्राइस से 3**% Drop पर Buy**  
\* हर Buy पिछले Buy से थोड़ा बड़ा 1 %(Compounding Effect)  
\* Sell = Average Price से ऊपर निकलना (कम से कम 1% से 1.5% Profit)

## 3. Step-by-Step Example

मान लीजिए आपने $100 से Trading शुरू की।

### Layer 1

* Price $100
* Investment $100
* Qty = 1

### Layer 2 (2% गिरने पर)

* Price $98
* Investment $101 (पिछली से 1% ज़्यादा)
* Qty = 1.03
* Total Qty = 2.03
* Average Price = $99.50

अब Market को सिर्फ़ $99.50 से ऊपर जाना है → आप Profit में।

### Layer 3

* Price $96.04
* Investment $102.01
* Qty = 1.06
* Average Price = $98.67

## 4. Profit Booking Rule

* जब भी Market Average Price से **1%–1.5% ऊपर जाता है → 50% Position बेच दें।**
* बाकी Position को Hold करें → बड़े Target या Compounding के लिए।

इस तरह Risk Control भी होता है और Profit भी Secure हो जाता है।

## 5. Tested Results

* इस Strategy से मेरा Capital कभी भी “Stuck” नहीं रहा।
* Loss Book नहीं करना पड़ा।
* धीरे-धीरे Small Profit जुड़कर बड़े Profit में बदलते गए।
* Compounding Effect ने Growth को बहुत तेज़ किया।

## 6. एक Real Story

नवम्वर 2021 से Market लगातार गिर रहा था।

* मैंने Step-by-Step Buy करना शुरू किया।
* Average Price इतना नीचे आ गया कि Market जब थोड़ा भी Recover हुआ, मैं Profit में निकल गया।
* बहुत से Trader उस समय डरकर Loss में निकल गए, लेकिन Compounding + Patience ने मुझे बचा लिया।

## 7. Golden Points of Strategy

1. हर Buy 3**% Drop Rule** पर ही करें।
2. हर नए Buy में Investment **1%–2% बढ़ाएँ**।
3. Profit पर हमेशा **Partial Exit** करें।
4. धैर्य रखें — Market समय देकर हमेशा Average को Cross करता है।
5. सबसे बड़ी ताकत: **Compounding + Patience = Success**

## निष्कर्ष

\* यह Strategy कोई “Shortcut” नहीं है, बल्कि Tested और Practical तरीका है।  
\* इसमें सबसे बड़ा हथियार है **Discipline, Risk Control और Compounding Power**।

यही Strategy मुझे छोटे Capital से बड़े सपनों तक ले जाने का Confidence देती है।

### ****अंतिम निष्कर्ष (Final Conclusion)****

Trading कोई जादू नहीं है, यह एक अनुशासन है।  
हर बड़ा Trader कभी छोटा ही था, पर फर्क केवल सोच, धैर्य और लगातार अभ्यास का है।

\* Spot Trading हो या Compounding Strategy – सफलता उन्हीं को मिलती है जो लगातार सीखते हैं और गलतियों से घबराकर भागते नहीं।  
\* याद रखिए – Risk हमेशा रहेगा, पर Risk Management और सही Position Sizing से उसे अवसर में बदला जा सकता है।  
\* इस पुस्तक का उद्देश्य आपको **व्यावहारिक सोच और tested strategies** देना था, ताकि आप $100 से शुरू करके करोड़ों तक पहुंचने का Vision बना सकें।

Trading की असली ताकत Compounding में छिपी है। हर छोटा Profit जब दुबारा Reinvest होता है तो वह समय के साथ Wealth बनाता है।  
आपको बस धैर्य रखना है, लालच और डर से बचना है, और अपनी Strategy पर विश्वास रखना है।

### ****10 Golden Rules for a Successful Trader****

1. **सीखना कभी बंद न करें** – Market हर दिन नया सिखाती है।
2. **छोटे Capital से शुरुआत करें** – बड़े सपनों के लिए छोटे कदम जरूरी हैं।
3. **हमेशा Stop loss या Exit Plan रखें** – बिना सुरक्षा के Market में कूदना खतरनाक है।
4. **Risk 2-5% से अधिक न लें** – Capital बचा तो Future में हजारों मौके मिलेंगे।
5. **Profit को Reinvest करें, खर्च न करें** – Compounding की शक्ति यहीं से शुरू होती है।
6. **Plan बनाकर चलें** – Buy, Sell और Exit सब पहले से तय हो।
7. **Discipline और Patience को हथियार बनाएं** – बिना इनके Trading जुआ है।
8. **Emotion-free Trading करें** – डर और लालच सबसे बड़े दुश्मन हैं।
9. **Diversification करें** – एक ही Coin/Stock पर All-in न जाएं।
10. **Consistency बनाए रखें** – रोज़ छोटे-छोटे कदम ही लंबे सफर में सफलता दिलाते हैं।

**निष्कर्ष:**  
यदि आप Spot Trading में Compounding और सही Risk Management के साथ आगे बढ़ते हैं, तो $100 से $10M का सपना कोई असंभव लक्ष्य नहीं है।  
Market को गुरु मानें, खुद को विद्यार्थी, और समय को साथी – यही सफलता की असली कुंजी है।

total capital का 2% use करने का table

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| buy Leyer | buy Amount | Used Amount |
| 0 | 1000 | 0 |
| 1 | 20 | 20 |
| 2 | 20.2 | 40.2 |
| 3 | 20.402 | 60.602 |
| 4 | 20.60602 | 81.20802 |
| 5 | 20.8120802 | 102.0201002 |
| 6 | 21.020201 | 123.0403012 |
| 7 | 21.23040301 | 144.2707042 |
| 8 | 21.44270704 | 165.7134113 |
| 9 | 21.65713411 | 187.3705454 |
| 10 | 21.87370545 | 209.2442508 |
| 11 | 22.09244251 | 231.3366933 |
| 12 | 22.31336693 | 253.6500603 |
| 13 | 22.5365006 | 276.1865609 |
| 14 | 22.76186561 | 298.9484265 |
| 15 | 22.98948426 | 321.9379107 |
| 16 | 23.21937911 | 345.1572898 |
| 17 | 23.4515729 | 368.6088627 |
| 18 | 23.68608863 | 392.2949514 |
| 19 | 23.92294951 | 416.2179009 |
| 20 | 24.16217901 | 440.3800799 |
| 21 | 24.4038008 | 464.7838807 |
| 22 | 24.64783881 | 489.4317195 |
| 23 | 24.8943172 | 514.3260367 |
| 24 | 25.14326037 | 539.4692971 |
| 25 | 25.39469297 | 564.86399 |
| 26 | 25.6486399 | 590.5126299 |
| 27 | 25.9051263 | 616.4177562 |
| 28 | 26.16417756 | 642.5819338 |
| 29 | 26.42581934 | 669.0077531 |
| 30 | 26.69007753 | 695.6978307 |
| 31 | 26.95697831 | 722.654809 |
| 32 | 27.22654809 | 749.8813571 |
| 33 | 27.49881357 | 777.3801706 |
| 34 | 27.77380171 | 805.1539723 |
| 35 | 28.05153972 | 833.2055121 |
| 36 | 28.33205512 | 861.5375672 |
| 37 | 28.61537567 | 890.1529429 |
| 38 | 28.90152943 | 919.0544723 |
| 39 | 29.19054472 | 948.245017 |
| 40 | 29.48245017 | 977.7274672 |
| 41 | 29.77727467 | 1007.504742 |
|  |  |  |

यदि मार्किट लगातार नीचे गिरे तो 69% मार्किट को गिरना पड़ेगा | जोकि संभव नहीं है कि मार्किट लगातार नीचे जाये और 2% भी ऊपर न उठे | इसलिए आपका fund कभी 0 नहीं होगा और buy sell जारी रहेगा |

इस गणना से यदि आप $100 से शुरू करते है | first buy total capital का 2%( 2 USDT ) use करते है | buy प्राइस से 1.5% profit पर sell करते है और हर sell के बाद पिछले buy fund में 1% बढ़ा दे तो केवल 1551 buy sell के cycle से आपका capital $10M हो जायेगा |

उदाहरण :

total investment 100 USDT

पहला buy fund : 2 USDT से ( अगला buy 2+0.02=2.02 )

sell : 1.5% buy प्राइस से

Fee : 0.2% दोनों साइड ( buy 0.2%, sell 0.2%)

total cycle : 1551

1551 ट्रेड के बाद total capital 10M USDT.

table example:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| buy cycle | used Usdt | total capital |
| 1 | 2 | 2.01388 |
| 2 | 2.02 | 2.0340188 |
| 100 | 5.356066989 | 5.393238094 |
| 500 | 286.6787573 | 288.6683079 |
| 1000 | 41503.27849 | 41791.31124 |
| 1100 | 112258.6416 | 113037.7166 |
| 1200 | 303638.7263 | 305745.9791 |
| 1320 | 1002125.273 | 1009080.023 |
| 1400 | 2221426.342 | 2236843.041 |
| 1551 | 9980662.242 | 10049928.04 |

Starting with just 2 USD, after completing 1551 buy-sell cycles, the capital can grow to 10 million ( 10,000,000 ) USD. Full table Available Here Visit: <https://docs.google.com/spreadsheets/d/e/2PACX-1vQyi3eXgJNBdCThrZnsq_0BKnMxRu5NSPgxg2cWmX-9dzfnpGF4FRcQqrdkYxd6QbNLQx06bDUxlUS3/pubhtml>

नोट :

* यह टेस्टिंग क्रिप्टो करेंसी पर की गई है BTCUSDT के pair में |
* यह 100 USDT से 10M USDT की यात्रा compounding के power से संभव था |
* इसके लिए ट्रेडिंग bot का उपयोग किया गया |

यदि आपको ट्रेडिंग बोट के बारे में जानना हो तो लेखक से संपर्क कर सकते है | ट्रेडिंग बोट को बनाने के लिए php , mysql database , cron job का उपयोग किया गया |

संपर्क विवरण :

लेखक का नाम – राज कुमार

फ़ोन न. – 9213816442

ईमेल – [sakhihosting@gmail.com](mailto:sakhihosting@gmail.com)

वेबसाइट - <https://aksharmty.github.io/compoundtrading>

ThankYou

इस पुस्तक को पढ़ने के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद।  
आपका समय और विश्वास ही इस प्रयास की सबसे बड़ी प्रेरणा है।  
आशा है कि इसमें बताए गए सिद्धांत, अनुभव और Tested Strategies आपकी Trading Journey को नई दिशा देंगे।